सेवा में,

1. माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश।
2. मण्डलायुक्त, लखनऊ।
3. जिलाधिकारी, लखनऊ।
4. पुलिस आयुक्त, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ।

महोदय,

प्रार्थीगण ब्रज मोहन अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय मनोहर लाल निवासी 88 के, न्यू बिल्डिंग, डालीगंज चरही, लखनऊ, राम मोहन अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय मनोहर लाल, श्रीमती अंजना अग्रवाल पत्नी स्वर्गीय अगस्त अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय मनोहर लाल, हर्षित अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय अगस्त अग्रवाल निवासी– बी–2/1, निराला नगर, लखनऊ, एवं राजेश कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार अग्रवाल एवं राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सभी पुत्र स्वर्गीय कन्हैया लाल निवासी – 88 के, न्यू बिल्डिंग, डालीगंज चरही, लखनऊ, के निवासी हैं।

प्रार्थीगणों के पूर्वज पितृगण स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय मनोहर लाल व स्वर्गीय रघुबर दयाल द्वारा खसरा संख्या – 479 व 480, मोहल्ला इरादत नगर, थाना हसनगंज, लखनऊ, स्थित कुल दो किता भूमि जिसका क्षेत्रफल लगभग तिरपन हजार स्क्वायर फिट (53000 sq.ft.) (एक बीघा अठ्ठारह बिस्वा उन्नीस कछवांसी) है जिसका 1/3 हिस्सा श्री कन्हैया लाल पुत्र स्वर्गीय पन्ना लाल को इसके पूर्व मालिक मकुन्दी लाल पुत्र स्वर्गीय रामानन्द निवासी डालीगंज, लखनऊ से बजरिये पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 16.07.1968 जो कि दिनांक 26.07.1968 को बही संख्या–1 जिल्द संख्या–1948, पृष्ठ संख्या 27–28 व क्रम संख्या–5298 पर दर्ज है, क्रय की गयी थी।

इसी आराजी का 1/3 हिस्सा श्री मनोहर लाल पुत्र स्वर्गीय कबूल चन्द निवासी डालीगंज, हसनगंज, लखनऊ ने शिव शंकर पुत्र स्वर्गीय नान्हू राम निवासी डालीगंज, लखनऊ से बजरिये पंजीकृत विक्रय विलेख जो कि बही संख्या–1, जिल्द संख्या–1946, के पृष्ट संख्या– 99/102 के क्रम संख्या 5284 दिनांक 26.07.1968 को पंजीकृत की गयी थी। इसी आराजी का 1/3 हिस्सा रघुबर दयाल पुत्र स्वर्गीय कबूल चन्द निवासी डालीगंज, हसनगंज, लखनऊ ने राम विलास पुत्र स्वर्गीय भोदू राम निवासी डालीगंज, लखनऊ से बजरिये पंजीकृत विक्रय विलेख जो कि बही / रजिस्टर संख्या–1, जिल्द संख्या–1941...., के पृष्ट संख्या– 341 से 342 के क्रम संख्या 5299 दिनांक 26.07.1968 को पंजीकृत की गयी थी।

तत्समय उक्त भूमि / भूखण्ड की चौहद्दी निम्न प्रकार थी :–

पूरब :– मकान अमजद व मकान यदुनन्दन वैद्य वगैरा।

पश्चिम :– रास्ता।

दक्षिण :– मस्जिद व मकान मिर्जा वारिस अलीबेग व मकान अजीज मोहम्मद।

उत्तर :– मकानात खान मो0 हुसैन व मो0 यूसूफ व महताब व रियासत।

अतः उपरोक्त भूमि प्रार्थीगण की पुश्तैनी सम्पत्ति है व आपस में जुड़ी हुई है व पूर्व से प्रार्थीगण के कब्जे में है।

उपरोक्त भूमि काफी समय से खाली पड़ी हुयी थी परन्तु कुछ समय पूर्व भूमि के किनारे स्थित मस्जिद जो कि वर्तमान में बिलाली मस्जिद के नाम से जानी जाती है, के संरक्षकों व मुतवल्लियों द्वारा भूमि के एक हिस्से पर जबरन कब्जा करते हुए

बिलाल मदरसा संचालित किया जाने लगा। उक्त मदरसे को नदवा कालेज, निकट लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के द्वारा आर्थिक सहायता इत्यादि प्रदान की जाती है।

प्रार्थीगण द्वारा जानकारी करने पर मदरसे के शिक्षक व मस्जिद के मुतवल्लियों द्वारा उक्त अवैद्य कब्जे के सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं दी गयी है व प्रार्थीगण की सम्पत्ति को वक्फ की सम्पत्ति होना बताया गया है। प्रार्थीगण द्वारा उनकी भूमि को वक्फ बताये जाने पर जानकारी हासिल करने का प्रयास किया गया परन्तु इस सम्बन्ध में उन्हें किसी भी माध्यम से कोई जानकारी नहीं मिली और न ही कोई दस्तावेज मिला जिसके आधार पर सम्पत्ति पर वक्फ घोषित किया गया हो या माना गया हो।

उपरोक्त सम्पत्ति स्पष्ट रूप से प्रार्थीगण की पुश्तैनी सम्पत्ति है जिसपर वक्फ बताकर बिलाली मस्जिद व बिलाल मदरसे द्वारा वर्तमान में गेट लगाकर प्रार्थीगणों का आना–जाना अवरूद्ध कर दिया गया है। मदरसे के संचालकों द्वारा कई बार मदरसे का नाम बदल–बदल कर बोर्ड लगाये जाते हैं जिनकों कुछ समय बाद उतार दिया जाता है। मदरसे व भूमि पर अन्दर जाने का रास्ता मस्जिद के अन्दर से बना दिया गया है।

अतः महोदय से अनुरोध है कि खसरा संख्या – 479 व 480, मोहल्ला इरादत नगर, थाना हसनगंज, लखनऊ, स्थित कुल दो किता भूमि जिसका क्षेत्रफल लगभग एक बीघा अठ्ठारह बिस्वा उन्नीस कछवांसी के सम्बन्ध में उचित जॉच कराकर व फर्जी वक्फ सम्बन्धी दस्तावेज निरस्त करवाकर प्रार्थीगणों को उनकी पैतृक भूमि का शन्तिपूर्ण कब्जा दिलाया जाये।

महोदय की महान कृपा होगी।

लखनऊ

दिनांक : 19.07.2025

1. राजेश कुमार अग्रवाल
   मो0नं0–7376901925

2. ब्रज मोहन अग्रवाल
   मो0नं0–9415087008

3. राम मोहन अग्रवाल
   मो0नं0–7800720333

4. श्रीमती अंजना अग्रवाल
   मो0नं0–9919992459

5. हर्षित अग्रवाल
   मो0नं0–9919992459

6. राकेश कुमार अग्रवाल
   मो0नं0–9936668969

7. राजेन्द्र कुमार अग्रवाल
   मो0नं0–9415002452

संलग्नक :–

1. विक्रय विलेख दिनांक 16.07.1968 की छायाप्रति।